• हमीरपुर...

सुक्खू ने टटोली नब्ज

हमीरपुर : गांधी चौक पर होने जा रही बीजेपी की बड़ी रैली से पूर्व अपने पांच दिवसीय प्रवास पर जिला हमीरपुर में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू बड़े ही दिलचस्प अंदाज में शहर की नब्ज टटोलने निकले। ऐसा अंदाज जो शायद ही पूर्व में किसी सीएम को हमीरपुर शहर ने देखा होगा। दरअसल सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शाम को हमीरपुर बाजार में पैदल मार्च निकाला और एक-एक दुकानदार और रास्ते में मिलने वाले हर शहरी से मिले। सीएम के इस रोड शो की शुरुआत शाम करीब पौने सात बजे गांधी चौक से हुई और समापन भोटा चौक पर हुआ। सबसे पहले सीएम ने कुछ दिन पहले चकाचौंध हुए गांधी चौक पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कांग्रेस नेताओं ने गांधी चौक पहुंचने पर फूलमालाओं से सीएम का स्वागत किया व शॉल व टोपी से मुख्यमंत्री को सम्मानित किया गया। कांग्रेस

कार्यकर्ताओं ने इस दौरान जोरदार नारेबाजी भी की। सीएम भी लगभग हर शहरी से मिले हर दुकानदार से मिले। किसी के साथ उन्होंने हाथ मिलाया, तो किसी के गले मिले।

रास्ते में मिले छोटे बच्चों के साथ भी सीएम फोटो खिंचवाते और उन्हें दुलारते नजर आए। सीएम सुक्खू पैदल मार्च से पूर्व सर्किट हाउस हमीरपुर में रुके। इस दौरान उन्होंने पीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्र शेखर, जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में दौरान उपचुनावों के दृष्ट्रिगत आयोजित बैठक की रिपोर्ट भी उन्होंने कार्यकारी अध्यक्ष से ली। इस मौके पर सीएम सुक्खू के साथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष व विधायक चंद्रशेखर, विधायक सुरेश कुमार, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा, पूर्व विधायक सतपाल रायजादा, कांगड़ा बैंक के चेयरमैन कुलदीप पठानिया, चेयरमैन रामचंद्र पठानिया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमन भारती, एपीएमसी चेयरमैन अजय शर्मा, कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पिंदर वर्मा, मनोनीत पार्षद हर्ष कालिया, महिला कांग्रेस सचिव संगीता कटोच व कांग्रेस पार्षद इत्यादि मौजूद रहे।

• पहल...

फेक न्यूज से निपटेगा मिथ वर्सेज रियलिटी प्लेटफार्म

शिमला : सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने वाली फर्जी खबरों को रोकने के लिए पहली बार चुनाव आयोग ने मिथ वर्सेस रियलिटी प्लेटफार्म लॉन्च किया है। इसमें झूठी

जानकारी और नए सवाल-जवाब भी शामिल होंगे। मंगलवार को अमर उजाला के पत्रकारों से वर्चुअल माध्यम से बातचीत के दौरान हिमाचल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग की वेबसाइट (https://mythvsreality.eci.gov.in/) के माध्यम से प्लेटफार्म आम लोगों के लिए भी उपलब्ध है। सत्र के दौरान निर्वाचन विभाग के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी दलीप नेगी और नीलम दुल्टा के अलावा निर्वाचन विभाग के राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर मुंशी शर्मा मौजूद रहे।

लोकसभा चुनावों की कवरेज को लेकर आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में अमर उजाला के फील्ड रिपोर्टर और डेस्क रिपोर्टरों ने भी भाग लिया। गर्ग ने बताया कि निर्वाचन से संबंधी रिपोर्टिंग को लेकर रिपोर्टरों को जागरूक करने की पहल सराहनीय है। मीडिया की फीडबैक पर ही हम अपनी कार्यप्रणाली में सुधार ला सकते हैं और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। पेड न्यूज की चुनाव आयोग सतत निगरानी कर रहा है। सभी मीडिया संस्थानों को ऐसी खबरों से बचना चाहिए जिसमें किसी व्यक्ति या पार्टी विशेष के पक्ष में राय बनाने का प्रयास किया जा रहा हो।

इन वेबसाइट पर चुनावों की पूरी जानकारी

पहले चुनावों से संबधित जानकारी के लिए चुनाव आयोग ने इस बार विशेष तौर पर माइक्रो साइट electionwy.eci.gov.in जारी की है। केंद्रीय चुनाव आयोग की वेबसाइट www.eci.gov.in और हिमाचल निर्वाचन विभाग की वेबसाइट ceohimachal.nic.in पर भी पहले हुए चुनावों की जानकारी है।

ये महत्वपूर्ण बातें बताईं

- एजेंट मतदान की प्रक्रिया समझा सकते हैं, किसे वोट दें यह नहीं बोल सकते।
- खबर की हेडलाइन में किसी की जीत का दावा पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग
- हाई प्रोफाइल प्रत्याशियों से बातचीत बूथ के 200 मीटर के बाहर होनी चाहिए।
- पार्टियों के बूथ पर मतदाताओं को कोई चुनाव चिह्न नहीं दिया जाना चाहिए।
- बूथ एजेंट सफेद रंग की पर्ची पर ही मतदाता को नंबर लिखकर दे सकता है। रंगीन पर्ची इस्तेमाल नहीं हो सकती।
- ऐसी फोटो प्रकाशित न हों जिससे समुदाय विशेष की भावनाएं आहत हों।
- स्कूल परिसरों में राजनीतिक दलों को रैली को अनुमति नहीं दी जा सकती। अस्पताल परिसरों के आसपास भी रोक रहती है।
- कल्याणकारी योजनाओं में नए लाभार्थी नहीं जोड़े जा सकते। दवाएं या उपकरण खत्म हो हों तो चुनाव आयोग से अनुमति लेकर नए टेंडर भी किए जा सकते हैं।
- 2 से 3 अखबारों में समान हेंडिंग और कंटेंट पेड न्यूज के दायरे में आता है।

हाईकोर्ट में निर्दलीय की याचिका पर सुनवाई

दोपहर बाद विधानसभा में तीनों निर्दलीय विधानसभा में स्पीकर के सामने पेश हुए और स्पीकर के शो कॉज नोटिस का लिखित जवाब दिया। विधायकों ने अपने जवाब में कहा– उन्होंने बिना किसी दबाव के इस्तीफा दिया है। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया जाए।

इसके आधार पर स्पीकर आगामी कार्रवाई करेंगे। स्पीकर ने कहा– निर्दलीय ने उनके संवैधानिक अधिकार को चैलेंज किया है। कोर्ट ने उनसे जवाब मांगा है...

● संजू/शिमला

हिमाचल हाईकोर्ट में तीन निर्दलीय के इस्तीफे पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अदालत में निर्दलीय के एडवोकेट ने अपनी दलीलें दी और इस्तीफा स्वीकार करने के लिए स्पीकर को आदेश देने का आग्रह किया। हाईकोर्ट में अब इस मामले में अगली सुनवाई 24 अप्रैल को होगी। उस दिन स्पीकर विधानसभा कुलदीप सिंह पठानिया अदालत में अपना जवाब देंगे। वहीं तीन निर्दलीय विधायकों को लेकर स्पीकर कुलदीप पठानिया ने कहा कि, यहां तक की पांच साल तक निर्दलीय भी नहीं। यदि ऐसा करता है तो वह एंटी डिफेक्शन लॉ के प्रोविजन को अट्रैक्ट करता है। उन्होंने कहा कि निर्दलीय के जवाब और हाईकोर्ट के निर्णय के बाद जो उचित होगा, वह निर्णय दिया जाएगा।

दोपहर बाद विधानसभा में तीनों निर्दलीय विधानसभा में स्पीकर के सामने पेश हुए और स्पीकर के शो कॉज नोटिस का लिखित जवाब दिया। विधायकों ने अपने जवाब में कहा- उन्होंने बिना किसी दबाव के इस्तीफा दिया है। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया जाए। इसके आधार पर स्पीकर आगामी कार्रवाई करेंगे।

स्पीकर ने कहा-निर्दलीय ने उनके संवैधानिक अधिकार को चैलेंज किया है। कोर्ट ने उनसे जवाब मांगा है। वह 24 अप्रैल तक अदालत को अपना जवाब देंगे। उन्होंने कहा- अब मामला दो दो जगह चल रहा है। ऐसे में अब चाहकर भी वह 24 अप्रैल से पहले इस्तीफे पर फैसला नहीं दे पाएंगे।

दरअसल, देहरा से निर्दलीय होशियार सिंह, नालागढ़ से केएल ठाकुर और हमीरपुर से निर्दलीय आशीष शर्मा ने अपने पद से 22 मार्च इस्तीफा दिया है। स्पीकर द्वारा इनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करने पर इन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वहीं स्पीकर ने दो मंत्रियों की शिकायत पर निर्दलीय को कारण बताओ नोटिस किया था। इसमें निर्दलीय से पूछा गया है कि समय से पहले

- एंटी डिफेक्शन लॉ के अनुसार, कोई भी चुना हुआ विधायक नहीं बदल सकता दल : कुलदीप पठानिया
- निर्दलीय विधायकों ने कहा- अपनी मर्जी से दिया है इस्तीफा
- निर्दलीयों का कोर्ट से आग्रह स्वीकार किया जाए इस्तीफा

रिजाइन क्यों किया? क्या आप पर किसी प्रकार का कोई दबाव था। नोटिस का जवाब देने का आज आखिरी दिन है।

तीनों निर्दलीय विधायकों ने 22 मार्च को इस्तीफा देने के बाद 23 मार्च को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी जॉइन की। इस्तीफा स्वीकार करने की मांग को लेकर तीनों विधायक विधानसभा के बाहर धरना भी दे चुके हैं। मगर अब तक इनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ।

प्रदेश में पहली बार ऐसा हुआ है जब तीन निर्दलीय ने अपने पदों से इस्तीफा दिया और इसे स्वीकार करने के लिए प्रदर्शन भी किया। निर्दलीय विधायकों का कहना है कि उन्होंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है। उन पर किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं है। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने स्पीकर के पास शिकायत की, जिसमें इन्होंने शंका जाहिर की कि 5 साल के लिए चुने गए विधायकों ने आखिर 15 महीने में ही रिजाइन क्यों किया। साथ ही शिकायत में कहा गया कि भाजपा ने इन्हें हेलिकॉप्टर से शिमला पहुंचाया। यही नहीं इस्तीफा देते वक्त भाजपा नेता भी साथ मौजूद रहे। हालांकि तीनों विधायक बिना बीजेपी जॉइन किए भी बीजेपीको समर्थन दे सकते थे। मगर इन्होंने अपने पदों से इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ने के विकल्प को बेहतर माना।

• राहत...

ऑनलाइन जमा करवाएं बिल

शिमला : बिजली बोर्ड ने 26 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। उपभोक्ताओं को बिजली बिल के भुगतान के लिए अब लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं रहेगी। बोर्ड ने ऑनलाइन बिल भुगतान की प्रक्रिया को दोबारा शुरू कर दिया है। अब सभी उपभोक्ता एक बार फिर पेटीएम, माबी-क्वीक, फोन-पे, गूगल-पे और भीम ऐप समेत अन्य से बिजली बिलों को भुगतान कर पाएंगे। पिछले दिनों रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पेटीएम पर लगाए गए बैन के परिणाम स्वरूप हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड ने पेटीएम से भारत बिल पेमेंट प्रणाली से होने वाले बिजली बिलों के डिजिटल भुगतान को बंद कर दिया था। अब बोर्ड के सभी उपभोक्ताओं को बीबीपीएस प्रणाली अपने बिजली बिलों का भुगतान करने की सुविधा बुधवार से फिर से शुरू हो गई है। अब बोर्ड के सभी उपभोक्ता बिजली उपभोक्ता पेटीएम के स्थान पर अन्य सेवा प्रदाता (एयरटेल पेमेंट बैंक) को रखने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली है। बोर्ड के कन्सलटेंट (पीआर) अनुराग पराशर ने कहा है कि बिजली बोर्ड ऑनलाइन उपभोक्ता सुविधा को और सुदृढ़ बनाने का प्रयास कर रहा है, ताकि उपभोक्ताओं को ऑनलाइन नया मीटर कनेक्शन बिजली बिलों के भुगतान में आगे आने वाले समय में कोई समस्या न आ सके।

• सिलेंडर फटा, दो मंजिला मकान स्वाह...

चंबा : चुराह उपमंडल ग्राम पंचायत शंतेवा चिल्ली के गांव रूंडाल में भीषण अग्निकांड हुआ है। बताया जा रहा है कि घर में शादी समारोह की तैयारियों के चलते सिलेंडर फटने से दो मंजिला मकान जलकर स्वाहा हो गया है। आगजनी की इस घटना से पूरा घर जलकर जमींदोज हो गया है। प्रभावित परिवार को लाखों का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, प्रभावित की पहचान परशोत्तम पुत्र कदारा गांव रूंडाल ग्राम पंचायत शंतेवा चिल्ली तहसील चुराह जिला चंबा के रूप में हुई है।